राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस विज्ञप्ति

शिक्षा का परम उद्देश्य मानव व्यक्तित्व का विकास करना हैः– राज्यपाल

देहरादून 12 दिसम्बर, 2011

उत्तराखण्ड की राज्यपाल तथा उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा ने कहा कि शिक्षा का परम उद्देश्य मानव व्यक्तित्व का विकास करना है। तकनीकी विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा, जीवन के लिए प्रासंगिक होनी चाहिए।

वन अनुसंधान संस्थान देहरादून के दीक्षान्त समारोह कक्ष में उपस्थित उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का आह्वाहन करते हुए राज्यपाल ने कहाः–''**विद्यार्थी जीवन के शांत व आरामदेह वातावरण की अभ्यस्तता का समय पूर्ण हो चुका है। अब जीवन की सच्चाइयों का सामना करना होगा, जिसके लिए ''शक्ति और दृढ़ संकल्प'' की आवश्यकता पड़ेगी। जीवन में आगे बढ़ने के लिए जो भी जटिलतायें, चुनौतियॉ व समस्यायें आयेंगी उनके समाधान के लिए निरन्तर बौद्धिक, नैतिक, आध्यात्मिक तथा व्यावसायिक (पेशेवर) परिपक्वता का परिचय देना होगा।''**

राज्यपाल ने समारोह में उपस्थित छात्रों का आह्वान करते हुए कहा कि **''अपने अर्जित ज्ञान के सदुपयोग के लिए कार्यक्षेत्र में जुटकर अपने परिजनों तथा शिक्षकों को गौरवान्वित करें। आज के भारत के युवाओं के लिए अनेक अवसर व चुनौतियॉ है, सदैव ''लक्ष्य ''मिशन'' तथा ''दृष्टिकोण'' के साथ काम करें। ''**

उन्होंने कुशल मानव शक्ति के सृजन, औद्योगिक उत्पादकता में वृद्धि तथा जीवन में गुणात्मक सुधार लाने में तकनीकी शिक्षा की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय ने इस क्षेत्र में सराहनीय प्रयास किये हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने न केवल राज्य के विद्यार्थियों बल्कि देश के अन्य भागों से आने वाले छात्रों को भी तकनीकी शिक्षा के नये आयाम देने में सफलता प्राप्त की है।

उन्होंने उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय को व्यावसायिक प्रशिक्षण व तकनीकी शिक्षा के लिए पूर्णतः सुसज्जित बताते हुए कहा कि यह संस्थान तीव्र गति से शीर्ष/उत्कृष्ट तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में स्थापित हो रहा है।

आज के समारोह में राज्यपाल द्वारा 09 विद्वान छात्रों को पी.एच.डी. तथा उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। तृतीय दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुल छः हजार छः सौ विद्यार्थियों को उपाधियॉ प्रदान की गई।

दीक्षान्त समारोह में विशेष वक्ता के रूप में पधारे भारत सरकार के सांइटिफिक एडवाइजर प्रो0 राघवन, आई.आई.टी. कानपुर के निदेशक प्रोफेसर संजय गोविन्द धाण्ड़े को डी.एस.सी. की तथा सुप्रसिद्ध समाजसेवी शिक्षाविद व राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व सदस्य श्रीमती पद्मा सेठ को विश्वविद्यालय की ओर से राज्यपाल द्वारा डी.लिट की मानद उपाधि भी प्रदान की गई।

समारोह के प्रारम्भ में परम्परागत रूप से दीप प्रज्जवलित कर राज्यपाल द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डी.एस.चौहान द्वारा स्वागत भाषण तथा धन्यवाद प्रस्ताव विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार द्वारा पढ़ा गया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री अशोक, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा श्री एस. राजू सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक तथा छात्रों के परिजन भी उपस्थित थे।

————0————

सूचना अधिकारी, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो0 9456590619, टेली0/फैक्स 0135–2756172